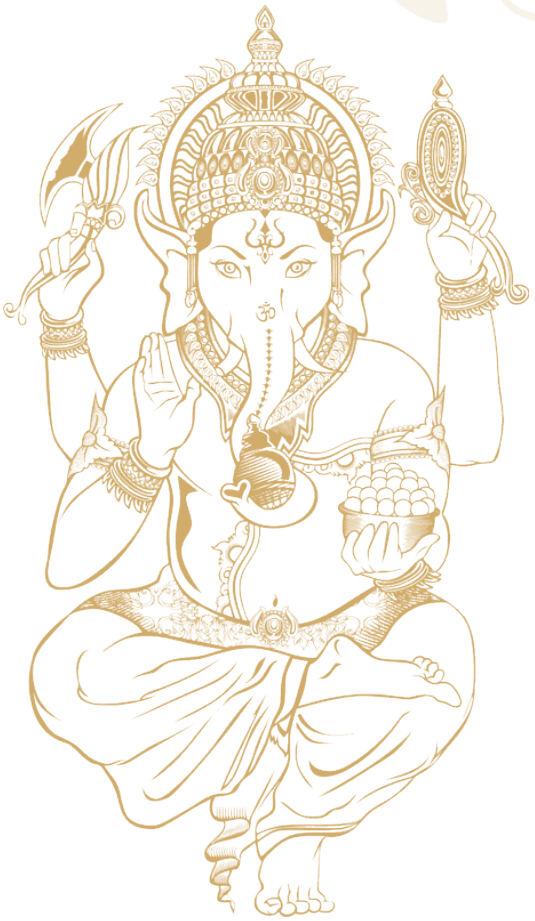

K

30 Dec 1958

11:47 AM

Hamirpur

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/12/1958**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:47:00 घंटे**
इष्ट	11:00:29 घटी
स्थान	**Hamirpur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:38:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:23:24 घंटे
वेलान्तर	-00:02:19 घंटे
साम्पातिक काल	17:56:09 घंटे
सूर्योदय	07:22:48 घंटे
सूर्यास्त	17:29:04 घंटे
दिनमान	10:06:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:45:43 धनु
लग्न के अंश	05:16:54 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	05:16:54	536:47:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			धनु	14:45:43	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	04:14:51	13:27:51	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	23:55:11	00:07:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	22:26:03	01:02:39	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	00:21:54	00:11:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	26:34:11	01:15:19	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि		अ	धनु	05:58:47	00:07:02	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	25:09:37	00:06:43	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	25:09:37	00:06:43	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		कर्क	22:26:32	00:01:54	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	---
नेप			तुला	13:14:26	00:01:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		सिंह	10:48:22	00:00:42	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			धनु	05:49:50	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:17:09

लग्न-चलित

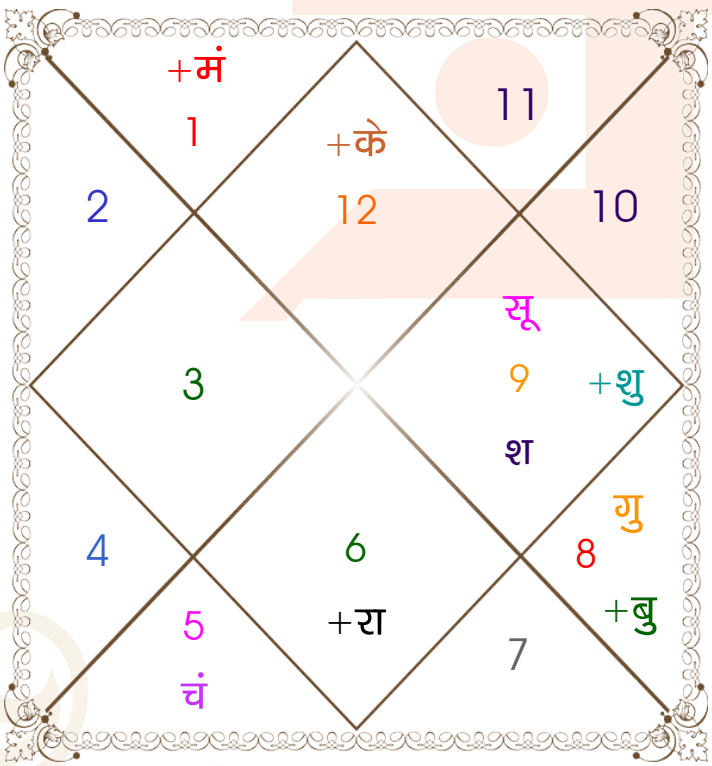

चन्द्र कुंडली

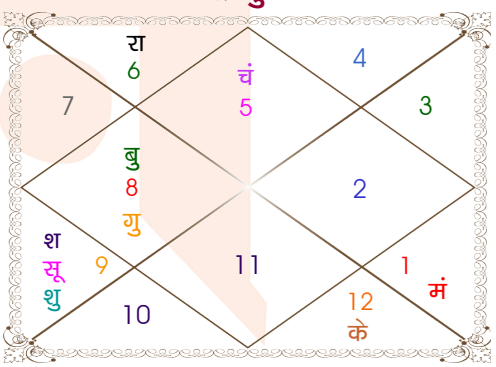

नवमांश कुंडली

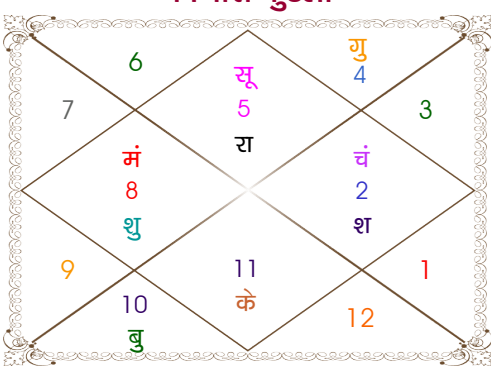

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 9 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/12/1958		07/10/1963		07/10/1983		07/10/1989		07/10/1999	
07/10/1963		07/10/1983		07/10/1989		07/10/1999		07/10/2006	
	00/00/0000	शुक्र	06/02/1967	सूर्य	25/01/1984	चंद्र	07/08/1990	मंगल	04/03/2000
	00/00/0000	सूर्य	06/02/1968	चंद्र	25/07/1984	मंगल	08/03/1991	राहु	23/03/2001
	30/12/1958	चंद्र	07/10/1969	मंगल	30/11/1984	राहु	06/09/1992	गुरु	27/02/2002
चंद्र	11/04/1959	मंगल	07/12/1970	राहु	25/10/1985	गुरु	06/01/1994	शनि	08/04/2003
मंगल	07/09/1959	राहु	07/12/1973	गुरु	13/08/1986	शनि	07/08/1995	बुध	04/04/2004
राहु	24/09/1960	गुरु	07/08/1976	शनि	26/07/1987	बुध	06/01/1997	केतु	31/08/2004
गुरु	31/08/1961	शनि	07/10/1979	बुध	01/06/1988	केतु	07/08/1997	शुक्र	31/10/2005
शनि	10/10/1962	बुध	07/08/1982	केतु	07/10/1988	शुक्र	08/04/1999	सूर्य	08/03/2006
बुध	07/10/1963	केतु	07/10/1983	शुक्र	07/10/1989	सूर्य	07/10/1999	चंद्र	07/10/2006

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/10/2006		07/10/2024		07/10/2040		07/10/2059		07/10/2076	
07/10/2024		07/10/2040		07/10/2059		07/10/2076		00/00/0000	
राहु	19/06/2009	गुरु	25/11/2026	शनि	10/10/2043	बुध	05/03/2062	केतु	05/03/2077
गुरु	13/11/2011	शनि	07/06/2029	बुध	19/06/2046	केतु	02/03/2063	शुक्र	05/05/2078
शनि	19/09/2014	बुध	13/09/2031	केतु	29/07/2047	शुक्र	31/12/2065	सूर्य	10/09/2078
बुध	07/04/2017	केतु	19/08/2032	शुक्र	28/09/2050	सूर्य	06/11/2066	चंद्र	30/12/2078
केतु	26/04/2018	शुक्र	20/04/2035	सूर्य	10/09/2051	चंद्र	07/04/2068		00/00/0000
शुक्र	25/04/2021	सूर्य	06/02/2036	चंद्र	10/04/2053	मंगल	04/04/2069		00/00/0000
सूर्य	20/03/2022	चंद्र	07/06/2037	मंगल	20/05/2054	राहु	23/10/2071		00/00/0000
चंद्र	19/09/2023	मंगल	14/05/2038	राहु	26/03/2057	गुरु	27/01/2074		00/00/0000
मंगल	07/10/2024	राहु	07/10/2040	गुरु	07/10/2059	शनि	07/10/2076		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में

सोचते रहते है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।